पात्रता मापदंड:

1. निम्नलिखित शिल्प में प्रशिक्षण का पर्याप्त अनुभव होना चाहिए:
    a. लकड़ी के फर्नीचर और शिल्प में प्रशिक्षण
    b. धातु और धातु आधारित शिल्प में प्रशिक्षण
    c. ऐप्लीक शिल्प में प्रशिक्षण
    d. टाई एवं डाई, अस्थि एवं एमओपी कलमकारी, ब्लॉक प्रिंटिंग, हाथ की कढ़ाई, सपाट बुने दरी उत्पादन.
2. किसी भी संस्थान से कला और शिल्प में डिग्री/डिप्लोमा के साथ कम से कम 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए

    या

    कम से कम 5वीं कक्षा तक शिक्षित और उसे अभ्यासरत शिल्प में 10 वर्ष का अनुभव और संबंधित शिल्प में पारंपरिक पृष्ठभूमि होनी चाहिए

    या

    कम से कम 5 साल का अनुभव और शिल्प से संबंधित किसी भी संस्था से कम से कम दो कार्यक्रमों (डिजाइन, मार्केटिंग/ट्रेनिंग) में भाग लेने का अनुभव हो.
3. शिल्प गुरु राज्य / राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं/ राष्ट्रीय योग्यता प्रमाण पत्र धारक ऊपर दिए गए शिल्प में को लाभ मिलेगा

भूमिका और जिम्मेदारियां:

1. नामित प्रशिक्षण स्थलों पर प्रशिक्षक के रूप में सेवारत.
2. नामित प्रशिक्षण स्थल पर संचालित प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सहायता और पर्यवेक्षण सुनिश्चित कराना.
3. प्रशिक्षण विकसित करने में परिषद के कार्यालय और टीम की सहायता.
4. प्रशिक्षण दस्तावेज तैयार करना.
5. परिषद कार्यालय से नियमित समन्वय करना

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद

जोधपुर मेगा समूह (सीएचसीडीएस योजना) के तहत शिल्प विकास कार्यक्रम

## आवेदन पत्र

1. नाम: _____
2. पिता/पति: _____
3. जन्म तिथि: _____
4. लिंग: _____
5. पता: _____

   _____

   _____

   _____
6. आधार संख्या _____
7. शिक्षा: _____
8. प्रशिक्षण कौशल:

   - लकड़ी के फर्नीचर और शिल्पों का प्रशिक्षण
   - धातु एवं धातु आधारित शिल्प का प्रशिक्षण
   - ऐप्लीक शिल्प का प्रशिक्षण
   - टाई एवं डाई, अस्थि एवं एमओपी कलमकारी, ब्लॉक प्रिंटिंग, हाथ की कढ़ाई, सपाट बुने दरी उत्पादन का प्रशिक्षण
9. अनुभव के वर्ष: _____
10. कार्य अनुभव: _____
11. वर्तमान स्थिति: _____
12. प्रतिष्ठान: _____

हस्ताक्षर